

संबोधन 8. पिंगल में एक प्रकार का मात्रिक सवैया, जिसे लोक में 'आल्ता' भी कहते हैं।

वीरकर्मा वि. (तत्.) वीरतापूर्ण कर्मों को संपादित करने वाला।

वीरकाव्य पुं. (तत्.) काव्य. वह काव्य जिसमें किसी योद्धा के वीरतापूर्ण कार्यों, युद्ध कौशल आदि का प्रभावात्मक वर्णन हो जैसे- वीर गाथा काल के विभिन्न रासो काव्य यथा, पृथ्वीराजरासो।

वीरकीट पुं. (तत्.) तुच्छ योद्धा।

वीरकुक्षि स्त्री. (तत्.) वीरप्रसवा, वीर पुत्र प्रसव करने वाली स्त्री।

वीरकेशरी पुं. (तत्.) वह योद्धा जो वीरों में सिंह के समान हो, अत्यंत श्रेष्ठ वीर, परमवीर, महावीर।

वीर गति स्त्री. (तत्.) 1. वह उत्तम गति जो वीरों को रणक्षेत्र अथवा दुश्मनों से अपनी मातृभूमि की रक्षा करते हुए प्राप्त होती है 2. वीरता पूर्ण मृत्यु।

वीरगाथा स्त्री. (तत्.) 1. किसी योद्धा के वीरतापूर्ण कार्यों का गौरवपूर्ण वर्णन 2. वीरों की गाथा।

वीरगाथा काव्य पुं. (तत्.) 1. वीरतापूर्ण गाथाओं का काव्य 2. वीर काव्य।

वीर चक्र पुं. (तत्.) भारत सरकार द्वारा अत्यंत वीरतापूर्ण कार्य संपादित करने वाले सैन्य कर्मियों को दिया जाने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण पुरस्कार।

वीरण पुं. (तत्.) 1. उसीर, खस 2. एक प्रजापति।

वीरणी स्त्री. (तत्.) 1. कटाक्ष, तिरछी चितवन 2. गहरी जगह।

वीर-जननी स्त्री. (तत्.) 1. वीर पुत्र को पैदा करने वाली स्त्री, वीरमाता, वीरप्रसवा, वीर प्रसविनी, वीर प्रजायिनी, किसी शूरवीर की माता।

वीरता स्त्री. (तत्.) 1. कोई ऐसा कार्य जिसके करने से व्यक्ति के अद्भुत उत्साह का प्रदर्शन होता हो 2. शूरता, बहादुरी 3. साहसपूर्ण कार्य, वीरतापूर्ण कार्य।

वीरत्व पुं. (तत्.) दे. वीरता।

वीरनायक पुं. (तत्.) पूर्व काल में यूरोप में प्रचार में रही एक प्रकार की त्रासदी जिसमें नायक के वीर-कर्म को अतिरंजित रूप में चित्रित किया जाता था, इसकी रचना प्रायः तुकांत पद्य में होती थी।

वीर पत्नी स्त्री. (तत्.) वीर व्यक्ति की पत्नी, वीर भार्या।

वीर पूजा स्त्री. (तत्.) मानव समाज में प्रचलित वह भावना जिसके तहत वीरतापूर्ण कार्य संपादित करने वालों के प्रति विशेष आदर-सम्मान व्यक्त किया जाता है।

वीर प्रसवा स्त्री. (तत्.) वीर उत्पन्न करने वाली स्त्री, वीर माता, वीर प्रसविनी, वीर प्रजायिनी, वीर प्रसू।

वीर बहूटी स्त्री. (तत्.) 1. गहरे लाल रंग का एक कीड़ा जो सामान्यतः बरसात में दिखाई देता है, वीर बहूटी 2. इंद्रबधू।

वीर भद्र पुं. (तत्.) 1. शिवजी के एक प्रसिद्ध गण का नाम, जिसकी उत्पत्ति शिवजी की जटा से हुई थी 2. एक प्रसिद्ध भट्ट 3. अश्वमेध यज्ञ के योग्य घोड़ा 4. एक सुगंधित घास, खस।

वीर-भार्या स्त्री. (तत्.) वीर पुरुष की पत्नी, वीर-पत्नी।

वीरमणि वि. (तत्.) योद्धाओं में श्रेष्ठ, वीरों में मणि के समान, श्रेष्ठवीर।

वीरमाता स्त्री. (तत्.) वीर पुरुष की माता, वीर प्रजायिनी, वीर प्रसविनी।

वीरमार्ग पुं. (तत्.) वीरों का मार्ग, स्वर्ग।

वीरमी स्त्री. (तत्.) 1. कटाक्ष, तिरछी चितवन 2. गहरी जगह।

वीर मुद्रिका स्त्री. (तत्.) पैर की बीच वाली उँगली में पहने जाने वाली छल्ली।

वीरपान पुं. (तत्.) वह विशिष्ट पेय जिसे वीर लोग युद्ध का श्रम दूर करने के लिए पीते हैं।